जे.एस.पी.एम., लातूर (इंडिया)

शिवाजी महाविद्यालय,रेणापुर

ता.रेणापुर जि.लातूर (महाराष्ट्र)-४१३ ५२७

???????

????? ?????

??????????????

????-????

हिंदी विभाग की संक्षिप्त रूपरेखा

प्रस्तावना:

महाविद्यालय की स्थापना 1993 में हुई | ठीक उसी समय हिंदी विभाग भी खोला गया | राजभाषा हिंदी के अध्यापन की स्नातक स्तर पर शुरुआत हुई | राजभाषा से जुडना एक अर्थ में "राष्ट्र" से जुडना होता है|

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने राजभाषा हिंदी के बारे में कहा था "बिना राष्ट्रभाषा के राष्ट्र गूंगा होता है"| प्रस्तुत उक्ति के अनुसार राष्ट्रीय चेतना को व्यक्त करने वाली भाषा हिंदी रही हैं| वर्तमान काल में प्रस्तुत भाषा के अध्ययन की नित नई संभावनाएँ खुल रही हैं| भूमंडलीकरण, नीजीकरण, उदारीकरण के चलते भाषा की स्थिति और गति नये सिरे से परिभाषित करने का समय आ गया हैं| हिंदी केवल भारत की ही नहीं दुनिया की संपर्क भाषा, रोजगार की भाषा, दुनिया के मनुष्यों को जोडनेवाली भाषा बनती जा रही हैं| हिंदी अपने समय, समाज और मानव सभ्यता की आवश्यकताओं के अनुसार ढल रही हैं| वर्तमान में प्रयोजनमूलक हिंदी, प्रौद्योगिकी की हिंदी, संगणक की हिंदी, मीडिया की हिंदी, प्रशासन की हिंदी तथा रोजगारपरक हिंदी आदि रूप में विकसित हुई हैं| जीवन के विविध क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ हिंदी भाषा ने भी खुद को युग की मांग के अनुसार विकसित किया है| दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में आज हिंदी पढ़ाई जा रही है| भाषा का बाज़ारीकरण जरूर हुआ है किंतु हिंदी बाजार की जरुरतों की पूर्ती हिंदी कर राही है|

विभाग में पूर्णकालिक रूप में दो अध्यापक कार्यरत हैं| इनमे से डॉ.सतीश यादव सहयोगी प्राध्यापक के रूप में तथा हिंदी विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं| डॉ.अर्जुन कसबे सहायक प्राध्यापक के रूप में में कार्यरत हैं| दोनों स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड के हिंदी शोध-निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं| डॉ.सतीश यादव के शोध निर्देशन में सात विद्यार्थियों ने पीएच.डी. उपाधि हेतु पंजीकरण किया है जिसमे से तीन विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई हैं| डॉ.अर्जुन कसबे के शोध निर्देशन में दो विद्यार्थियों ने पीएच.डी. उपाधि हेतु पंजीकरण किया हैं| विशेष उल्लेखनीय बात यह है की दोनों को यू.जी.सी. ने बृहत शोध परियोजना के अंतर्गत मंजूरी दी हैं| डॉ सतीश यादव " अज्ञेय और मर्ढेकर के

साहित्य का आधुनिकता के संदर्भ में तुलनात्मक अध्येयन” विषय के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं| जिन्हें यू.जी.सी. ने रू. 3,23,000/- की धनराशि आबंटित की है| डॉ अर्जुन कसबे “ हिंदी उपन्यासों में चित्रित आदिवासी जनजीवन” विषय के अंतर्गत बृहत शोध परियोजना के तहत कार्य कर रहे हैं| उन्हें यू.जी.सी. ने रू. 4,25,000/- की धनराशि आबंटित की है| यह विभाग की महती उपलब्धि है|

डॉ.सतीश यादव विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्य के रूप में विगत 10 वर्षों से कार्यरत हैं| वे इसी महाविद्यालय में पूर्णकालिक प्राचार्य के रूप में दि.07-01-2008 से 15-10-2010 तक कार्यरत थे| वे तीन बार कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में भी कार्यरत रहे हैं| डॉ सतीश यादव साहित्य, समाज, कला और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर के अध्यक्ष के रूप में विद्यमान हैं| संत कबीर प्रतिष्ठान, लातूर की कार्यसमिति के सदस्य रूप में भी जुडे हुए हैं| उन्हीं के नेतुत्व में परिषद ने कार्यशाला, संगोष्ठी, नाट्यमंचन तथा भवन निर्माण जैसे कार्य पूर्ण किये हैं| डॉ. अर्जुन कसबे भी लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर के आजीव सदस्य हैं और कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं| संत कबीर प्रतिष्ठान, लातूर की कार्यसमिति के आजीव सदस्य के रूप में भी जुड़े हुए हैं| हिंदी विभाग निरंतर विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का मंच दिलाने हेतु प्रतिबद्ध है| विशेषतः **“कालजयी”** मुखपत्र विभाग की ओर से निरंतर चलाया जाता है| विभाग के इस मुखपत्र में छात्र-छात्राएँ अपनी अभिव्याक्तियाँ देते रहते हैं|

अंततः इतना ही कहा जा सकता है कि, हिंदी विभाग हिंदी भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति का परिचय ही नहीं उन्हें गहरे रूप में विद्यार्थियों को जोड़ने हेतु प्रयत्नरत हैं| वैश्विक मनुष्यों की वेदना से विद्यार्थियों को अवगत करते हुए उन्हें बेहतर मनुष्य बनाने की दिशा में विभाग पहल कर रहा है| विद्यार्थियों को रोजगारपरक हिंदी से जोड़ते हुए संवेदनशीलता के फैलाव में महती भूमिका निभा रहा है| ग़ज़लकार हनुमंत नायडू ने ठीक ही लिखा है-

“सामने खड़ी हो जब नंगी सदी, सभ्यता का हर दिखावा व्यर्थ है,
आदमी के दर्द को समझे बिना आदमी होने का दावा व्यर्थ है|”

उद्दिष्ट्ये

भाषा और साहित्य का अध्ययन मानव समाज की संस्कृति का भी अध्ययन होता है| हिंदी के माध्यम से सांस्कृतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चेतना को पैदा करना हैं| विभाग के माध्यम से हिंदी दो स्तरों पर पढ़ाई जाती है| १.ऐच्छिक हिंदी के रूप में २. द्वितीय भाषा के रूप में|

हिंदी विभाग अपने छात्र-छात्राओं में भाषायी चेतना पैदा करना चाहता है| हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि पैदा करना, साहित्य धाराओं की विविध विधाओं का परिचय करना, लेखन, वाचन, संभाषण कौशल आदि का विकास करना इत्यादि विभाग के प्रमुख उद्देश रहे हैं| भाषा अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों में लोकमंगल की चेतना पैदा करना, उन्हें वर्तमान युगीन संदर्भों से जोड़े रखना, भाषा की व्यावहारिकता, प्रयोजनपरकता, रोजगारपरकता से परिचय कराना भी प्रमुख उद्देश्य रहा हैं|

हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक, प्रकार्यात्मक एवं कार्यालयी रूपों से परिचित करना, वक्तृत्व, वाद-विवाद में निपुण बनाना, अभिव्यक्ति के धरातल पर विद्यार्थियों को सोचने-विचारने के लिए प्रेरित कराना, उसी का नतीजा है विभाग द्वारा संचालित **‘कालजयी’** मुखपत्र |

पाठ्यक्रम की अभिनवता से परिचय करना, पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों के द्वारा व्यक्तित्व विकास का नया आयाम खोलना, एक परिपूर्ण मनुष्य, नागरिक तथा स्वयंपूर्ण, प्रबुद्ध नागरिक बनाने हेतु विभाग संकल्पसिद्ध हैं|

हिंदी विभाग में उपलब्ध कोर्स

अ.क्र.	विषय पाठ्यक्रम	अवधि	प्रवेश क्षमता
१.	बी.ए.(द्वितीय भाषा)	०२ वर्ष	१२०
२.	बी.कॉम.(द्वितीय भाषा)	०२ वर्ष	१२०
३.	बी.एस्सी.(द्वितीय भाषा)	०२ वर्ष	१२०
४.	बी.ए.(ऐच्छिक)	०३ वर्ष	१२०

अध्यापकों का परिचय

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	शैक्षिक योग्यता	पद	अनुभव
१.	डॉ. सतीश वसंतराव यादव	एम.ए.,पीएच.डी.	सहयोगी प्राध्यापक	२०
२.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	एम.ए.,पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	२०

प्रवेशित छात्रों की संख्या तालिका

नॅक मूल्यांकन -२००४-२००५		
वर्ष	द्वितीय भाषा	ऐच्छिक
२००० - २००१	११३	९०
२००१ - २००२	१२४	८३
२००२ - २००३	१४०	८८
२००३ - २००४	१२५	५९
२००४ - २००५	११४	४९

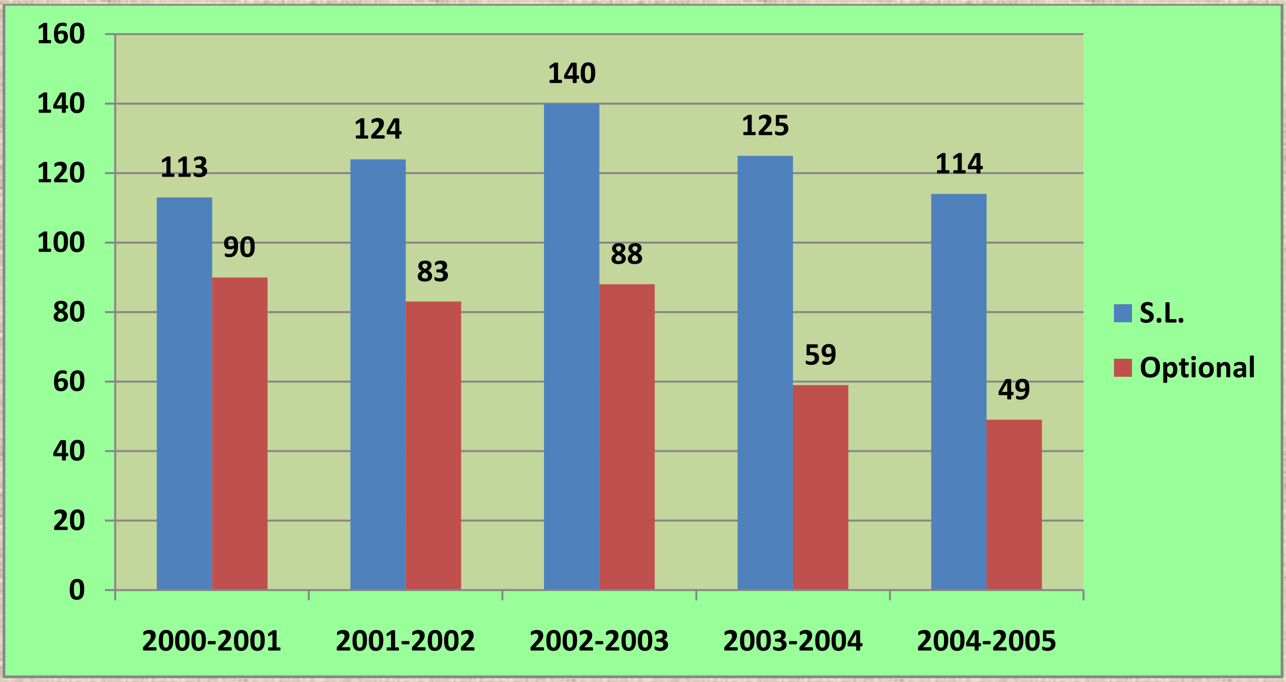

?????????????? २०१५ - २०१६		
वर्ष	द्वितीय भाषा	ऐच्छिक
२००५ -२००६	१०४	४४
२००६ -२००७	१०१	५५
२००७ -२००८	९१	४३
२००८ -२००९	१०१	५०
२००९ -२०१०	१०७	२५
२०१० -२०११	१७०	३०
२०११ -२०१२	११७	३२
२०१२ -२०१३	१७७	४७
२०१३ -२०१४	२९८	५६
२०१४ -२०१५	३०४	५३
२०१५ -२०१६	२८८	५९

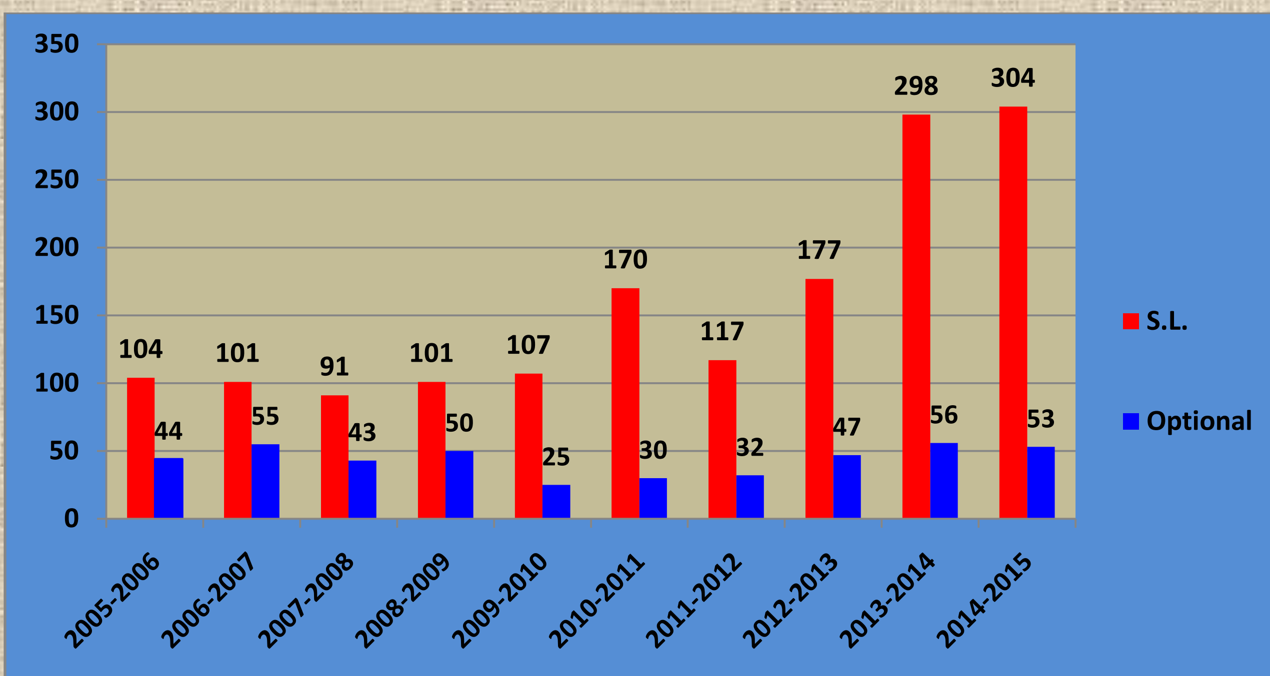

अंतिम वर्ष का परिणाम

नॅक मूल्यांकन -२००४-२००५

वर्ष	अंतिम वर्ष का प्रतिशत में परिणाम
२०००-२००१	७६.४७%
२००१-२००२	६८.७५%
२००२-२००३	६६.६६%
२००३-२००४	५३.३३%
२००४-२००५	१००%

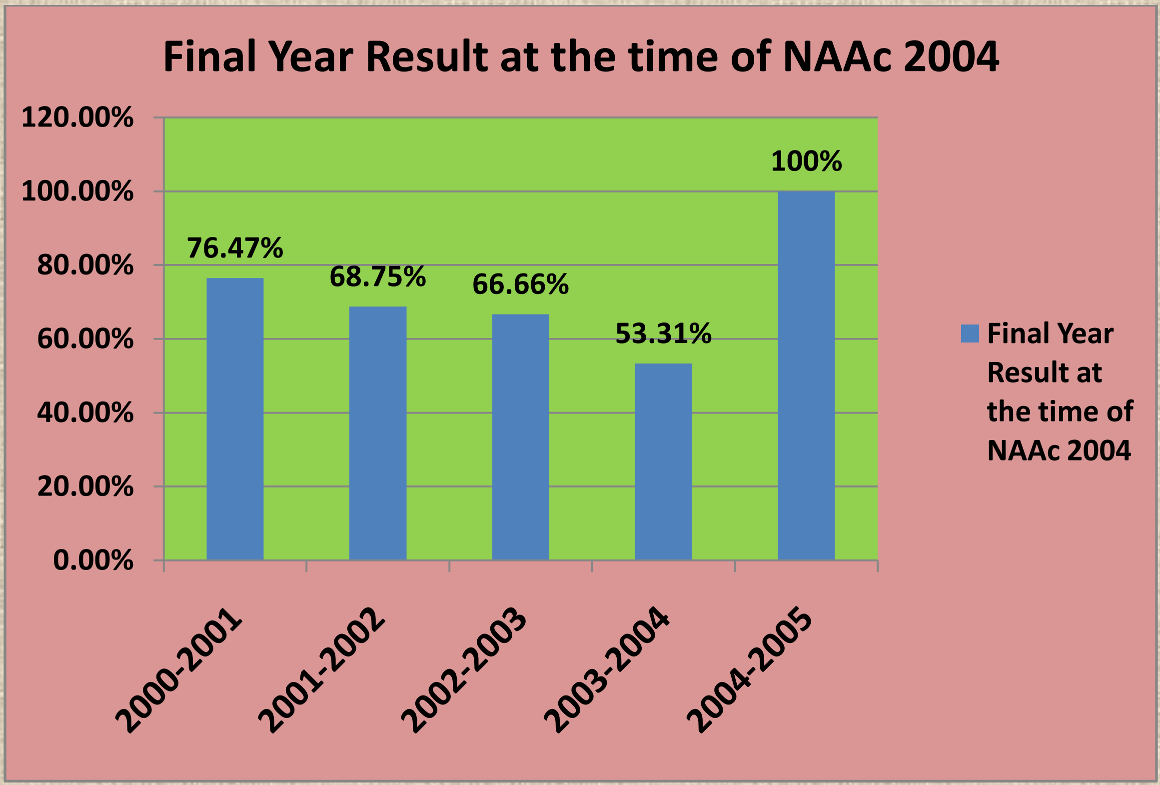

?????????-२०१४?- २०१५	
वर्ष	अंतिम वर्ष का प्रतिशत में परिणाम
२००५-२००६	१००%
२००६-२००७	१००%
२००७-२००८	१००%
२००८-२००९	६४.२८%
२००९-२०१०	१००%
२०१०-२०११	१००%
२०११-२०१२	१००%
२०१२-२०१३	१००%
२०१३-२०१४	१००%
२०१४-२०१५	७५%

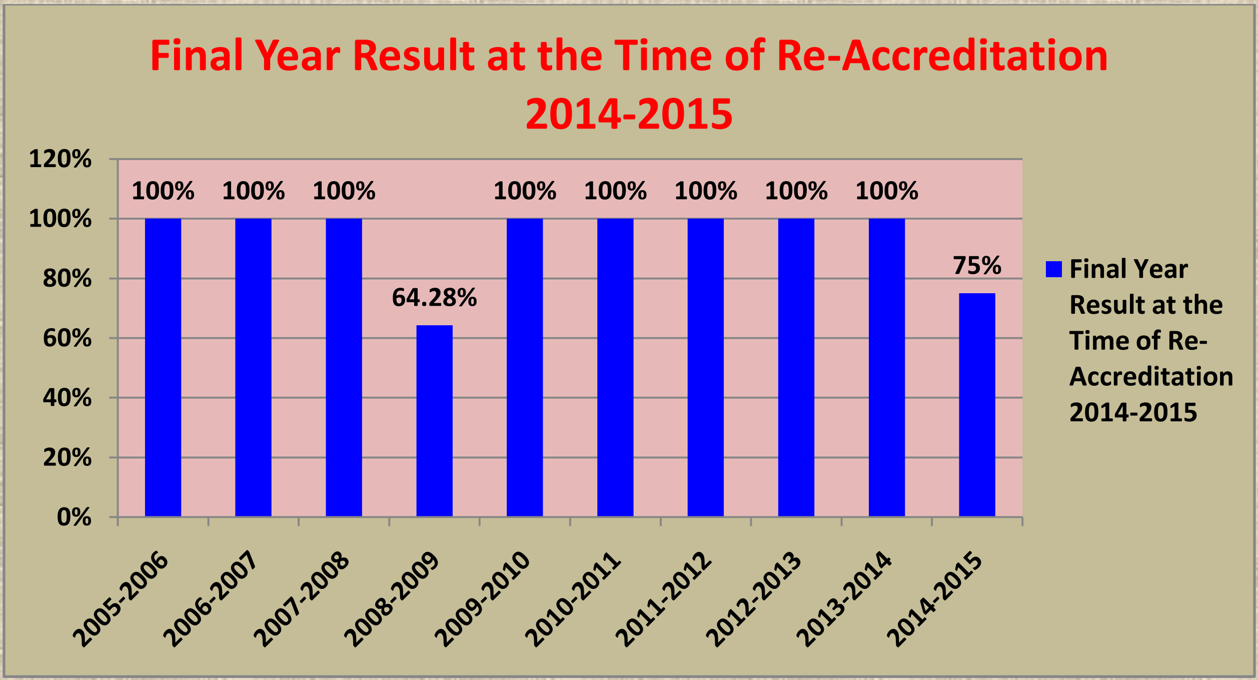

शोधपरक कार्य

अधिवेशन/संगोष्ठी/कार्यशाला उपस्थिति एवं शोध-पत्र वाचन (आंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय)

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	नॅक मूल्यांकन २००४-२००५	?????????-२०१४-२०१५	कुल
१.	डॉ. सतीश वसंतराव यादव	०८	३६	४४
२.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	०६	१४	२०

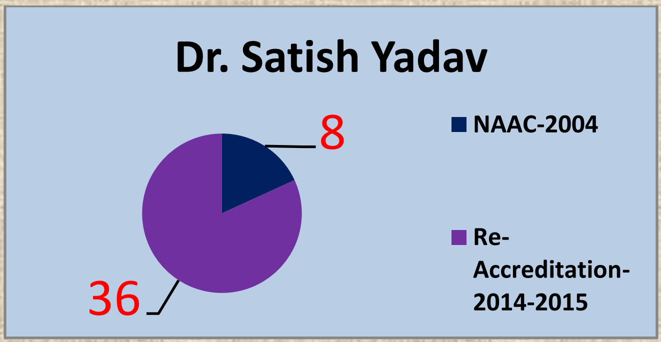

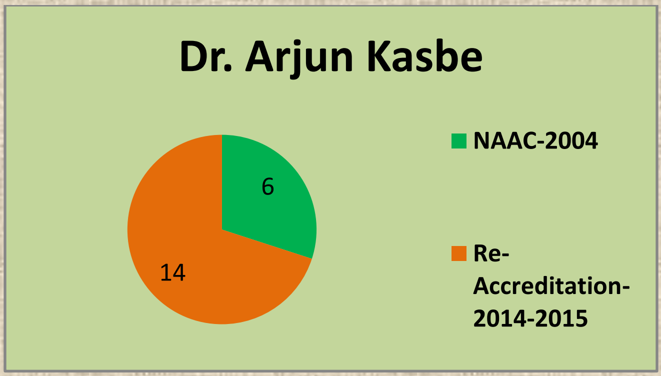

शोध प्रकाशन

(i) स्वयंलेखक/संपादक ISSN/ISBN क्रमांक सहित

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	नॅक मूल्यांकन २००४-२००५	?????????????? २०१४ - २०१५	कुल
१.	डॉ. सतीश वसंतराव यादव	-	०९	०९
२.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	-	०३	०३

(ii) शोध आलेख प्रकाशन-आंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्रिका में तथा संगोष्ठी और अधिवेशन में:

अ.क्र.	अध्यापकों का नाम	नॅक मूल्यांकन २००४-२००५	?????????????? २०१४ - २०१५	कुल
१.	डॉ. सतीश वसंतराव यादव	०३	२१	२४
२.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	-	०८	०८

बृहत् शोध परियोजना

अ. क्र.	अध्यापकों का नाम	शीर्षक	संस्था	कालावधि	अनुदान/राशि आबंटित (रू .लाख में)
१.	डॉ. सतीश वसंतराव यादव	अज्ञेय और मर्ढेकर के साहित्य का आधुनिकता के संदर्भ में तुलनात्मक अध्येयन	यू.जी.सी. नई दिल्ली	०२ वर्ष	३,२३,०००/-
२.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	हिंदी उपन्यासों में चित्रित आदिवासी जनजीवन	यू.जी.सी. नई दिल्ली	०२ वर्ष	४,२५,०००/-

शोध-निर्देशन

अ. क्र.	अध्यापकों का नाम	नॅक मूल्यांकन २००४-२००५		??????????????? २०१४ - २०१५		
		पंजीकरण	अवॉर्ड	अलॉट	पंजीकरण	अवॉर्ड
१.	डॉ. सतीश वसंतराव यादव	-	-	०७	०७	०३
२.	डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे	-	-	०२	०२	-

पुरस्कार प्राप्त विभाग के विद्यार्थी

अ.क्र.	विद्यार्थियों के नाम	वर्ष	प्रतियोगिता	आयोजक	श्रेणी
१	कु. जयश्री आकनगिरे	२००७-२००८	निबंध	लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर	द्वितीय
२	कु. जयश्री आकनगिरे	२००८-२००९	निबंध	लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर	द्वितीय
३.	कु. पुजा पुजारी	२०११-२०१२	निबंध	लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर	प्रथम
४.	कु. पुजा पुजारी	२०१२-२०१३	निबंध	लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर	प्रथम
५.	कु. प्रिया सावंत	२०१३-२०१४	निबंध	लातूर जिला हिंदी साहित्य परिषद, लातूर	प्रथम

महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय विकास में प्रमुख भूमिकाएँ :

१. डॉ. सतीश वसंतराव यादव

अ.क्र.	महाविद्यालय स्तर	विश्वविद्यालय स्तर
1.	In charge Principal (07-04-1999 To 15-09-1999, 15-09-2001 To 29-04-2002, 16-10-2010 To 05-04-2011)	Member, Board of Study
2.	Principal (Jan.2008 To April2011)	Faculty Member (2006To2011)
3.	Chief Superintendent in University Exam March/April-2000 and March/April- 2009	Member Paper Setting
4.	Member of Advisory body, J.S.P.M. Latur (India)	Chief Vigilance Squad
5.	Member of Advisory body of 'KRUTIKA'	Member Affiliation Committee
6.	Councilor, Y.C.M.O.U. Nashik	Member Selection Committee of Best J.C.S.
7.	Member Local Management Council	Member Research Allocation Committee
8.	Chief Multi Language Committee	Research Guide
9.	Member IQAC	Refry for Ph.D. Degree (other University)
10.	Member NAAC Steering Committee	Expert for Publication Grant, Dr. B.A.M.U., Aurangabad.
11.	Chief Debate Committee	Subject Expert
12.	Co-ordinator Shahid Balaji Male Memorial Trust	
13.	Chief Editor Annual Magazine 'SHIVARAI'	

❖	**Other Community work**
1.	President Latur Zilha Hindi Sahitya Parishad, Latur.
2.	Organizer State Level Seminar –August 2009
3.	Organizer ‘Natya Manchan’ by Rohini Hattangadi
4.	Organizer ‘Ravindra Natya Mahotsav’
5.	Organizer ‘Wadal Nilya Krantiche’ an one act play
6.	Organizer Two Days National Workshop – March- 2013.
7.	Chief, Sahitya Sanskruti Bhavan, Latur
8.	Organizer Kabir Vyakhyanmala – 2014

1. Dr. Kasbe A.S.

Sr. No.	College level	University level
1.	NSS Programme Officer 2008 To 2010	Chief Superintendent in University Exam
2.	Member Admission Committee	Joint Chief Superintendent in University Exam
3.	Member Time-Table Committee	Subject Expert
4.	Co-ordinator and Member Language Association	Examiner in Youth Festival, Solapur University, Solapur
5.	Member Internal Squad	Member, Paper Setting
6.	Member Organizing Committee One day Marathi National Level Seminar	Member, Paper Assessment
7.	Member Media Committee	Research Guide
8.	Co-ordinator B.C. Cell	
9.	Co-ordinator Planning Committee	
10.	Member Organizing Committee Two day National Level Seminar in Commerce Faculty	
11.	Member NAAC Seven Criteria Committee	
12.	Member Local Management Committee	
13.	Councilor Y.C.M.O.U., Nashik	
14.	Member Organizing Committee One Week Short Term Course	

विभाग के भूतपूर्व विद्यार्थियों की सूची

अ. क्र.	नाम	पदनाम	पता
१.	श्री पठाण अफरोज तैमुरखान	पी.एस.आय.	तुलजापूर जि. उस्मानाबाद
२.	श्री भिकाने श्रीनिवास दगडू	पी.एस.आय.	अहमदनगर
३..	श्री इगे सुजीत दिलीपराव	पुलिस सिपाही	लातूर
४	श्री गिरी विजय	पुलिस सिपाही	रेणापुर
५.	श्री गिरी सचिन	पुलिस सिपाही	रेणापुर
६.	श्री मडोळे किरण	पुलिस सिपाही	लातूर
७.	श्री शेख फय्याज	पुलिस सिपाही	बीड
८.	श्री गुळवे गणेश	सैनिक,सीमा सुरक्षा बल	जम्मू
९.	डॉ. पवार सुदाम वसंतराव	सहायक प्राध्यापक	सरस्वती संगीत महाविद्यालय, लातूर
१०.	श्री गायकवाड बाबासाहेब आर.	सहायक प्राध्यापक	श्री छत्रपती शिवाजी महाविद्यालय, पानगांव
११.	श्री फड बाबासाहेब	अधिव्याख्याता	जिंतूर
१२.	श्री पाटील रामराजा	अधिव्याख्याता	रेणापुर
१३.	ॲड.सरवदे दशरथ	वकील	रेणापुर
१४.	ॲड.जाधव निर्मला	वकील	लातूर

विभाग के बलस्थान, खामियाँ तथा चुनौतियाँ

❖ **बलस्थान:**

1. विभाग के १००% अध्यापक उच्च पात्रताधारक तथा पीएच.डी.उपाधि हेतु शोध-निर्देशक हैं |
2. विभाग के दोनों अध्यापक यू.जी.सी. पुरस्कृत बृहत् शोध परियोजना में संलग्न|
3. हिंदी दिवस तथा हिंदी सप्ताह का आयोजन |
4. ग्रंथालय में N-List की सुविधा |

❖ **खामियाँ:**

1. विभाग की ओर से कार्यशाला, संगोष्ठी तथा अधिवेशन का आयोजन नहीं हो सका|

❖ **सुअवसर:**

1. हिंदी कोर्स माध्यम (Media) तथा मनोरंजन से संबंधित हैं|
2. हिंदी पाठ्यक्रम संस्कार तथा रोजगारपरक हैं|

❖ **चुनौतियाँ:**

1. वैश्वीकरण तथा बाज़ारीकरण के युग में लुप्त होती हिंदी बोली भाषा रूपों को बचाये रखना|
2. मीडिया, वित्त एवं वाणिज्य, बैंकिंग क्षेत्र, मनोरंजन जगत, प्रशासन तथा कार्यालयी भाषा एवं विधि का ज्ञान कराते हुए उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना|

❖ **भविष्य की योजनाएँ:**

1. राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी/ परिषद का आयोजन करना |
2. स्नातकोतर हिंदी पाठ्यक्रम का आयोजन करना |
3. शोध केंद्र की उपलब्धता कराना |

1) डॉ. सतीश वसंतराव यादव

2) डॉ. अर्जुन शंकरराव कसबे